



# NEWSLETTER

शनिवार, 6 जुलाई 2024 | वॉल्यूम - 105

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News



**काँटन ब्रोकर राजेश गुप्ता से विशेष चर्चा: 2024-25 की कपास बुवाई पर विचार**



**GOLD : 73038**  
**SILVER : 93595**  
**CRUDE OIL : 6965**

## काँटन ब्रोकर राजेश गुप्ता से विशेष चर्चा: 2024-25 की कपास बुवाई पर विचार



**राजेश जी गुप्ता**  
**काँटन ब्रोकर**  
**(मध्य प्रदेश, इंदौर)**

काँटन ब्रोकर राजेश गुप्ता जी, जिन्होंने पिछले 40 वर्षों से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत की रुई को विभिन्न मिल्स को सप्लाई किया है, कपास की कीमतों में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। स्मार्ट इंपो सर्विस की टीम ने कपास की बुवाई के विभिन्न पहलुओं पर उनसे विशेष चर्चा की।

**प्रश्न: राजेश जी, कपास की बुवाई पर आपके अनुभव और विचार क्या हैं, विशेष रूप से 2024-25 के संदर्भ में?**

राजेश गुप्ता: कपास की बुवाई कपास उद्योग की नींव है और इसके कई पहलू हैं जिनका इस पर प्रभाव हो सकता है। खरीफ फसल क्षेत्र में 7% की वृद्धि का कपास की फसल पर आंशिक प्रभाव हो सकता है, लेकिन इसका लाभ पूरी तरह से कपास की खेती पर निर्भर करता है।

**प्रश्न: क्या आप हमें बता सकते हैं कि कौन-कौन से प्रमुख बिंदु कपास की बुवाई को प्रभावित कर सकते हैं?**

राजेश गुप्ता: निश्चित रूप से। कुछ प्रमुख बिंदु जिनका इस पर प्रभाव हो सकता है:

बुवाई की। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग और आपूर्ति के आधार पर भी कीमतें प्रभावित हुई हैं।

**प्रश्न: क्या सरकारी नीतियाँ और पर्यावरणीय कारक भी कपास उत्पादन को प्रभावित कर रहे हैं?**

राजेश गुप्ता: जी हां, सरकारी नीतियाँ, सब्सिडी, और कृषि संबंधी योजनाएँ भी कपास की बुवाई और उत्पादन को प्रभावित कर रही हैं। साथ ही, जलवायु परिवर्तन, मानसून की अनिश्चितता, और अन्य पर्यावरणीय कारक भी इस सीजन के कपास उत्पादन पर प्रभाव डाल रहे हैं।

**प्रश्न: आपके अनुभव अनुसार, कपास की बुवाई 2024-25 में कैसी रहेगी?**

राजेश गुप्ता: कपास की बुवाई 2024-25 में बहुत कुछ मौसम, बाजार की मांग, और सरकार की नीतियों पर निर्भर करेगा। अगर मौसम अनुकूल रहता है और सरकार की नीतियाँ किसानों के हित में होती हैं, तो बुवाई अच्छी रह सकती है।

**प्रश्न: किसानों के लिए आपका क्या संदेश है?**

राजेश गुप्ता: मैं किसानों को यही संदेश देना चाहूँगा कि वे नई तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों को अपनाएं, ताकि वे बेहतर उत्पादन कर सकें। इसके साथ ही, सरकार की नीतियों और योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं और संगठित होकर अपने हक के लिए आवाज़ उठाएं।

**फसल चक्र :** यदि किसान खरीफ फसलों के बाद कपास की बुवाई करते हैं, तो खरीफ फसल के अच्छा प्रदर्शन करने से कपास की बुवाई की संभावना बढ़ सकती है।

**मिट्टी की उर्वरता :** खरीफ फसल के बाद मिट्टी की उर्वरता में सुधार हो सकता है, जिससे कपास की फसल को लाभ हो सकता है।

**सिंचाई और जल संसाधन :** खरीफ फसल की अच्छी पैदावार के बाद सिंचाई के लिए अधिक जल उपलब्ध हो सकता है, जिससे कपास की फसल को फायदा हो सकता है।

**आर्थिक स्थिति :** खरीफ फसल की अच्छी पैदावार और बिक्री से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है, जिससे वे कपास की खेती में अधिक निवेश कर सकते हैं।

**कीट और रोग प्रबंधन :** खरीफ फसल के दौरान कीट और रोगों के नियंत्रण से कपास की फसल में भी इनका प्रकोप कम हो सकता है।

**प्रश्न: कपास सीजन 2023-24 के दौरान आपने क्या मुख्य चुनौतियाँ देखी हैं?**

राजेश गुप्ता: इस सीजन में कई चुनौतियाँ सामने आईं। बुवाई क्षेत्र में कमी आई है, जिसका मुख्य कारण बदलते मौसम के हालात, पानी की कमी, और किसानों का वैकल्पिक फसलों की ओर रुझान है। उत्पादन पर भी मौसम की अनिश्चितताओं और कीट/रोगों के प्रकोप का असर पड़ा है। इसके अलावा, पिछले सीजन में कपास के दामों में गिरावट के कारण किसानों ने इस साल कम

## काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91119 77775			
WEEKLY CHART 06.07.2024			
<b>ICE COTTON</b>			
MONTH	28.06.24	05.07.24	WEEKLY CHANGE
DEC	72.68	70.98	-1.70
MAR'25	74.36	72.71	-1.65
MAY	75.69	74.10	-1.59
<b>MCX (COTTON)</b>			
JULY	58760	58100	-660
<b>NCDEX (KAPAS)</b>			
APRIL	1615	1598	-17
<b>NCDEX (COCUD KHAL)</b>			
JULY	2853	2842	-11
AUG	2950	2945	-5
SEPT	3060	3045	-15
<b>SMART INFO SERVICE</b>		<b>CALL : 91119 77775</b>	
<b>CURRENCY (\$)</b>			
INDIAN (Rupee)	83.38	83.49	0.11
PAK (Pakistani Rupee)	278.39	277.932	-0.458
CNY (Chinese yuan)	7.26729	7.26808	0.00079
BRAZIL (Real)	5.5933	5.46019	-0.13311
AUSTRALIAN Dollar	1.49601	1.48194	-0.01407
MALAYSIAN RINGGITS	4.71788	4.71199	-0.00589
<b>COTLOOK "A" INDEX</b>			
BRAZIL COTTON INDEX	70.89	76.34	5.45
USDA SPOT RATE	63.02	60.52	-2.50
MCX SPOT RATE	58160	58060	-100
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18500	18000	-500
<b>GOLD (\$)</b>			
SILVER (\$)	29.435	31.525	2.09
CRUDE (\$)	81.46	83.44	1.98

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट में गिरावट वाला माहौल रहा।

इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 1.70 सेंट तक गिरे, वही मार्च 1.65 एवं मई 1.59 सेंट तक गिरे।

भारतीय बाजार MCX पर काँटन के दाम में जुलाई माह के लिए 660 रुपये की गिरावट देखी गई।

NCDEX पर कपास के भाव 17 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव में जुलाई माह 11 रूपए, अगस्त माह 5 रूपए, सितम्बर माह 15 रूपए प्रति क्विंटल तक गिरावट दर्ज की गई।

अन्य देशों काँटन मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई, USDA स्पॉट रेट 2.50 सेंट गिरा, MCX स्पॉट में 100 रूपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट रही, वही ब्राजील काँटन इंडेक्स 5.45 बढ़ा।

## देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES						
ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL						
CALL : 91119 77775						
STATE	01.07.24	02.07.24	03.07.24	04.07.24	05.07.24	06.07.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	600	600	600	600	500	500
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
<b>NORTH ZONE</b>	<b>600</b>	<b>600</b>	<b>600</b>	<b>600</b>	<b>500</b>	<b>500</b>
GUJRAT	-	-	-	4,000	3,000	3,000
MADHYA PRADESH	300	300	300	200	300	200
MAHARASHTRA	10,000	10,000	10,000	10,000	10,000	10,000
<b>CENTRAL ZONE</b>	<b>10,300</b>	<b>10,300</b>	<b>10,300</b>	<b>14,200</b>	<b>13,300</b>	<b>13,200</b>
KARNATAKA	1,600	1,600	1,600	1,400	800	800
ANDHRA PRADESH	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
TELANGANA	200	200	200	300	300	200
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
<b>SOUTH ZONE</b>	<b>2,800</b>	<b>2,800</b>	<b>2,800</b>	<b>2,700</b>	<b>2,100</b>	<b>2,000</b>
ODISHA	-	-	-	-	-	-
<b>TOTAL</b>	<b>13,700</b>	<b>13,700</b>	<b>13,700</b>	<b>17,500</b>	<b>15,900</b>	<b>15,700</b>
ARRIVAL IN 170 Kg.						

**red eco**  
FIBERS PVT.LTD.

+91 9879577099

sales@redcofibers.com

Our Group Cotton Yarn Count Range.  
Knitting & Weaving.  
Count- 20 to 34  
Carded / Combed / Compact.

Murlidhar World Trade Pvt Ltd  
Group of Companies

**red eco**  
FIBERS PVT.LTD.

**Angel**  
Fibers Limited

**HARIPRIYA**  
SPINNING MILL PVT. LTD.

Rajkot, Gujarat (Bharat)

## वित्त वर्ष 2024 में चीन को भारत का यार्न निर्यात 21% बढ़ा, जो वित्त वर्ष 2023 में 10% था



भारतीय सूती धागे की प्रतिस्पर्धी कीमतों और झिंजियांग में कपास उत्पादन को लेकर वैश्विक चिंताओं के कारण यह वृद्धि हुई, जिससे बाजारों ने वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की ओर रुख किया। बांग्लादेश, चीन और वियतनाम ने मिलकर भारत के सूती धागे के निर्यात में 60% की हिस्सेदारी की।

वित्त वर्ष के दौरान भारत के सूती धागे के निर्यात में 83% की वृद्धि हुई, जिससे देश के कुल उत्पादन में यार्न निर्यात का हिस्सा बढ़कर 32% हो गया, जो वित्त वर्ष 2023 में 19% था। इस निर्यात वृद्धि ने घरेलू बाजार की चुनौतियों को दूर करने में मदद की, जहां कुल सूती धागे के उत्पादन में 9% की वृद्धि के बावजूद मांग कम रही।

घरेलू स्तर पर, कपास फाइबर की कीमतें, वित्त वर्ष 2023 की पहली छमाही में चरम पर पहुंचने के बाद, कमजोर मांग के कारण वित्त वर्ष 2024 में 25% गिर गईं। भविष्य की ओर देखते हुए, बुआई के क्षेत्रों में कमी के कारण 2024 के लिए कपास फाइबर उत्पादन में अनुमानित 6% की कमी के बावजूद, पिछले वर्षों से कैरी-ओवर अधिशेष कीमतों को स्थिर करने की उम्मीद है।

चल रहे लाल सागर संघर्षों का कपास यार्न निर्यात पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा है, क्योंकि अधिकांश शिपमेंट बांग्लादेश, चीन और वियतनाम जैसे स्थिर बाजारों में भेजे गए थे। हालांकि, लंबे समय तक संघर्ष संभावित रूप से परिधान निर्यात माला को बाधित कर सकता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से कपास यार्न निर्यात माला और कीमतों को प्रभावित करता है।

FY25 के लिए, घरेलू स्पिनरों को बांग्लादेश और चीन को निर्यात में वृद्धि के कारण 4-6% की मामूली माला वृद्धि की उम्मीद है। यह दृष्टिकोण प्रतिस्पर्धी यार्न मूल्य निर्धारण और निर्यात मांग में क्रमिक सुधार द्वारा समर्थित है, जबकि घरेलू खपत कम बनी हुई है।



# TOP 5

# NEWS OF THE WEEK

- औरंगाबाद: 6 लाख कपास उत्पादकों के लिए ₹191 करोड़ की सहायता की घोषणा**  
छत्रपति संभाजीनगर जिले में, लगभग 6 लाख किसानों को अपनी कपास की फसलों में काफी नुकसान हुआ है, जिसमें 3.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है। राज्य सरकार ने इन किसानों की सहायता के लिए ₹191.50 करोड़ के वित्तीय सहायता पैकेज की घोषणा की है।
- सरकार ने पांच वर्षीय योजना के लिए ₹500 करोड़ के आवंटन के साथ कपास प्रौद्योगिकी मिशन को पुनर्जीवित करने की तैयारी की है**  
आगामी बजट में, केंद्र सरकार द्वारा किसानों की पैदावार को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत करने के उद्देश्य से पुनर्जीवित कपास प्रौद्योगिकी मिशन का अनावरण करने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, यह पहल कपड़ा मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा सहयोगात्मक रूप से विकसित की जा रही है।
- सरकारी प्रयासों के बावजूद, पंजाब में कपास की खेती रिकॉर्ड स्तर पर कम**  
सरकारी प्रयासों के बावजूद, पंजाब ने इस सीजन में कपास की खेती के तहत अब तक का सबसे कम रकबा दर्ज किया है। राज्य ने 2 लाख हेक्टेयर में कपास की खेती करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह रकबा घटकर लगभग 97,000 हेक्टेयर रह गया है, जो अब तक का सबसे कम रकबा है।
- चीनी कपड़ा आयात में वृद्धि ने भारतीय कपड़ा निर्माताओं के बीच चिंता बढ़ाई**  
गुजरात कपड़ा उद्योग चीन से कम लागत वाले कपड़े के आयात की बाढ़ से जूझ रहा है, जिसके कारण उद्योग प्रतिनिधियों ने केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह के समक्ष इस मुद्दे को उठाया है। रिपोर्टों से पता चलता है कि चीन भारतीय सूती कपड़ों की तुलना में लगभग आधी कीमत पर सूती जैसे कपड़े की आपूर्ति कर रहा है, जिससे घरेलू निर्माताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अहमदाबाद भारत के सूती वस्त्र केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है, जबकि सूरत अपने पॉलिएस्टर वस्त्र उद्योग के लिए जाना जाता है।
- भारतीय कपड़ा क्षेत्र में महामारी के बाद सुधार के मजबूत संकेत दिख रहे हैं**  
भारतीय कपड़ा क्षेत्र में सुधार के संकेत दिख रहे हैं, एवेंडस स्पार्क की नवीनतम रिपोर्ट से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2024 (4QFY24) की अंतिम तिमाही में उद्योग का राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8% बढ़ा है। यार्न की कीमतों में 5% की गिरावट के बावजूद, जिसने समग्र विकास को सीमित कर दिया, कपास की कीमतों में स्थिरता से मूल्य वृद्धि के साथ-साथ मात्रा में वृद्धि होने की उम्मीद है।

## इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब, हरियाणा और अपर राजस्थान में 100 रुपए प्रति मंड तक की बढ़त देखी गई।

सेंट्रल झोन के मध्यप्रदेश राज्य में 500 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई, जबकि गुजरात, महाराष्ट्र राज्य में स्थिरता रही।

साउथ झोन के ओड़िशा, आंध्रप्रदेश राज्य में 600 -1000 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई। जबकि कर्नाटक, तेलंगाना राज्य में स्थिरता रही।

STATE		01.07.24		06.07.24		CHANGE
STAPLE LENGTH		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>						
PUNJAB	28.5	5,800	5,825	5,900	5,925	100
HARYANA	27.5/28	5,675	5,700	5,775	5,800	100
UPPER RAJASTHAN	28	5,500	5,825	5,625	5,925	100
<b>CENTRAL ZONE</b>						
GUJARAT	29	56,800	58,300	56,800	58,300	0
MADHYA PRADESH	29	57,500	58,000	58,000	58,500	500
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,000	58,200	57,800	58,200	0
<b>SOUTH ZONE</b>						
ODISHA	29.5+	58,700	58,800	59,300	59,400	600
KARNATAKA	29.5+	58,000	58,500	58,000	58,500	0
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	57,000	58,000	58,000	59,000	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,000	59,500	59,000	59,500	0

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.  
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy



# NEWSLETTER

Saturday, 6 July 2024 | Volume - 105

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

## TEXTILE STOCK MARKET UPDATE



Exclusive discussion with Cotton Broker Rajesh Gupta: Thoughts on cotton sowing for 2024-25

## IMPORT & EXPORT UPDATE



**GOLD : 73038**  
**SILVER : 93595**  
**CRUDE OIL : 6965**

## Exclusive discussion with Cotton Broker Rajesh Gupta: Thoughts on cotton sowing for 2024-25



**Rajesh Gupta**  
**Cotton Broker**  
**(Madhya Pradesh, Indore)**

Cotton Broker Rajesh Gupta, who has been supplying cotton to various mills in Madhya Pradesh, Maharashtra and South India for the last 40 years, has seen many fluctuations in cotton prices. The team of Smart Info Service had an exclusive discussion with him on various aspects of cotton sowing.

**Q: Rajesh ji, what are your experiences and views on cotton sowing, especially in the context of 2024-25?**

Rajesh Gupta: Cotton sowing is the foundation of the cotton industry and there are many aspects that can have an impact on it. The 7% increase in Kharif crop area may have a partial impact on cotton crop, but its benefit depends entirely on cotton cultivation.

**Q: Can you tell us what are the key points that can impact cotton sowing ?**

Rajesh Gupta: Definitely. Some key points that may have an impact on this are:

**Crop rotation :** If farmers sow cotton after Kharif crops, the chances of cotton sowing may increase if the Kharif crop performs well.

**Soil fertility :** Soil fertility may improve after Kharif crop, which may benefit the cotton crop.

**Irrigation and water resources :** After a good yield of Kharif crop, more water may be available for irrigation, which may benefit the cotton crop.

**Economic condition :** Good yield and sale of Kharif crop may improve the economic condition of farmers, allowing them to invest more in cotton cultivation.

**Pest and disease management :** Control of pests and diseases during Kharif crop may also reduce their infestation in cotton crop.

**Q: What are the main challenges you have seen during cotton season 2023-24?**

Rajesh Gupta: Many challenges were faced this season. Sowing area has declined, mainly due to changing weather conditions, water shortage, and farmers' shift towards alternative crops. Production has also been affected by weather uncertainties and pest/disease infestations. In addition, farmers sowed less this year due to the fall in

cotton prices last season. Prices have also been affected based on demand and supply in the international market.

**Question: Are government policies and environmental factors also affecting cotton production?**

Rajesh Gupta: Yes, government policies, subsidies, and agricultural schemes are also affecting cotton sowing and production. Also, climate change, monsoon uncertainty, and other environmental factors are also affecting cotton production this season.

**Question: According to your experience, how will cotton sowing be in 2024-25?**

Rajesh Gupta: Cotton sowing in 2024-25 will depend a lot on weather, market demand, and government policies. If the weather remains favorable and government policies are in the interest of farmers, sowing can be good.

**Question: What is your message for farmers?**

Rajesh Gupta: I would like to give this message to farmers that they should adopt new techniques and scientific methods so that they can produce better. Along with this, take full advantage of the policies and schemes of the government and raise your voice for your rights by getting organized.

## A look at the weekly movement of the cotton market

## SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 06.07.2024

## ICE COTTON

MONTH	28.06.24	05.07.24	WEEKLY CHANGE
DEC	72.68	70.98	-1.70
MAR'25	74.36	72.71	-1.65
MAY	75.69	74.10	-1.59

## MCX (COTTON)

JULY	58760	58100	-660
------	-------	-------	------

## NCDEX (KAPAS)

APRIL	1615	1598	-17
-------	------	------	-----

## NCDEX (COCUD KHAL)

JULY	2853	2842	-11
AUG	2950	2945	-5
SEPT	3060	3045	-15

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775

## CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.38	83.49	0.11
PAK (Pakistani Rupee)	278.39	277.932	-0.458
CNY (Chinese yuan)	7.26729	7.26808	0.00079
BRAZIL (Real)	5.5933	5.46019	-0.13311
AUSTRALIAN Dollar	1.49601	1.48194	-0.01407
MALAYSIAN RINGGITS	4.71788	4.71199	-0.00589

COTLOOK "A" INDEX	85.45	82.75	-2.7
BRAZIL COTTON INDEX	70.89	76.34	5.45
USDA SPOT RATE	63.02	60.52	-2.50
MCX SPOT RATE	58160	58060	-100
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18500	18000	-500

GOLD (\$)	2336.90	2399.85	62.95
SILVER (\$)	29.435	31.525	2.09
CRUDE (\$)	81.46	83.44	1.98

This week, the international market witnessed a decline.

The International Cotton Exchange prices fell by 1.70 cents in December, 1.65 cents in March and 1.59 cents in May.

The Indian market MCX witnessed a decline of Rs. 660 in the price of cotton for the month of July.

The price of cotton fell by Rs. 17 per 20 kg on NCDEX, while the price of oil cake fell by Rs. 11 in July, Rs. 5 in August and Rs. 15 per quintal in September.

If we look at the cotton market of other countries, the Cotlook "A" index saw a decline, USDA spot rate fell by 2.50 cents, MCX spot price fell by Rs. 100 per candy, while the Brazil cotton index increased by 5.45.

## Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

## SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	01.07.24	02.07.24	03.07.24	04.07.24	05.07.24	06.07.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	600	600	600	600	500	500
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	600	600	600	600	500	500
GUJRAT	-	-	-	4,000	3,000	3,000
MADHYA PRADESH	300	300	300	200	300	200
MAHARASHTRA	10,000	10,000	10,000	10,000	10,000	10,000
CENTRAL ZONE	10,300	10,300	10,300	14,200	13,300	13,200
KARNATAKA	1,600	1,600	1,600	1,400	800	800
ANDHRA PRADESH	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
TELANGANA	200	200	200	300	300	200
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,800	2,800	2,800	2,700	2,100	2,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	13,700	13,700	13,700	17,500	15,900	15,700
ARRIVAL IN 170 Kg.						



+91 9879577099

sales@redecofibers.com

Our Group Cotton Yarn Count Range.  
Knitting & Weaving.  
Count- 20 to 34  
Carded / Combed / Compact.

Murlidhar World Trade Pvt Ltd  
Group of Companies




 Rajkot, Gujarat (Bharat)

## India's yarn exports to China grew 21% in FY24 from 10% in FY23



The growth was driven by competitive prices of Indian cotton yarn and global concerns over cotton production in Xinjiang, which led markets to turn to India as an alternative supplier. Bangladesh, China and Vietnam together accounted for 60% of India's cotton yarn exports.

India's cotton yarn exports grew 83% during the fiscal, taking the share of yarn exports in the country's total production to 32% from 19% in FY23. This export growth helped overcome challenges in the domestic market, where demand remained subdued despite a 9% increase in total cotton yarn production.

Domestically, cotton fibre prices, after peaking in the first half of FY23, fell 25% in FY24 due to weak demand. Looking ahead, despite an estimated 6% reduction in cotton fibre production for 2024 due to reduction in sowing areas, carry-over surpluses from previous years are expected to stabilise prices.

The ongoing Red Sea conflicts have had minimal impact on cotton yarn exports, as most shipments were sent to stable markets such as Bangladesh, China and Vietnam. However, a prolonged conflict could potentially disrupt apparel export volumes, which indirectly impact cotton yarn export volumes and prices.

For FY25, domestic spinners expect modest volume growth of 4-6% led by increased exports to Bangladesh and China. This outlook is supported by competitive yarn pricing and a gradual improvement in export demand, while domestic consumption remains subdued.



# TOP 5

# NEWS OF THE WEEK

## Aurangabad: ₹191 crore aid announced for 6 lakh cotton growers

In Chhatrapati Sambhajnagar district, around 6 lakh farmers have suffered substantial losses in their cotton crops, covering an area of 3.84 lakh hectares. The state government has announced a financial aid package of ₹191.50 crore to aid these farmers.

## The government is set to revive the Cotton Technology Mission with an allocation of ₹500 crore for a five-year plan

In the upcoming budget, the central government is expected to unveil the revived Cotton Technology Mission aimed at integrating cutting-edge technologies to boost farmers' yields. According to sources, the initiative is being collaboratively developed by the Ministry of Textiles and the Indian Council of Agricultural Research (ICAR).

## Despite government efforts, cotton cultivation in Punjab at record low

Despite government efforts, Punjab has recorded the lowest ever acreage under cotton cultivation this season. The state had set a target of cultivating cotton in 2 lakh hectares, but the area has come down to around 97,000 hectares, the lowest ever, according to agriculture experts.

## Rise in Chinese textile imports raises concerns among Indian textile manufacturers

The Gujarat textile industry is grappling with a flood of low-cost fabric imports from China, leading industry representatives to raise the issue with Union Textiles Minister Giriraj Singh. Reports suggest that China is supplying cotton-like fabrics at almost half the price of Indian cotton fabrics, adversely affecting domestic manufacturers. Ahmedabad is famous as India's cotton textile hub, while Surat is known for its polyester textile industry.

## Indian textile sector shows strong signs of post pandemic recovery

The Indian textile sector is showing signs of recovery, with the latest report from Avendus Spark showing that industry revenues in the last quarter of FY24 (4QFY24) grew by nearly 8% over the previous year. Despite a 5% decline in yarn prices, which capped overall growth, stability in cotton prices is expected to drive price growth as well as volume growth.

*This week, the cotton market witnessed a Bullish trend*

*This week, cotton market witnessed a bullish trend.*

*North Zone states of Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a rise of up to Rs. 100 per candy.*

*Central Zone states of Madhya Pradesh witnessed a rise of Rs. 500 per candy, while Gujarat and Maharashtra remained stable.*

*South Zone states of Odisha and Andhra Pradesh witnessed a rise of Rs. 600 - Rs. 1000 per candy. While Karnataka and Telangana remained stable.*

STATE		01.07.24		06.07.24		CHANGE
STAPLE LENGTH		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>						
PUNJAB	28.5	5,800	5,825	5,900	5,925	100
HARYANA	27.5/28	5,675	5,700	5,775	5,800	100
UPPER RAJASTHAN	28	5,500	5,825	5,625	5,925	100
<b>CENTRAL ZONE</b>						
GUJARAT	29	56,800	58,300	56,800	58,300	0
MADHYA PRADESH	29	57,500	58,000	58,000	58,500	500
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,000	58,200	57,800	58,200	0
<b>SOUTH ZONE</b>						
ODISHA	29.5+	58,700	58,800	59,300	59,400	600
KARNATAKA	29.5+	58,000	58,500	58,000	58,500	0
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	57,000	58,000	58,000	59,000	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,000	59,500	59,000	59,500	0

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.  
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy